तापमान

अधिकतम 31.5 डिग्री

न्यूनतम 16.8 डिग्री

हरिभूमि

बेमेतरा भूमि

रायपुर, गुरुवार 23 अक्टूबर 2025

बेमेतरा | देवकर | नवागढ़ | साजा | परपोड़ी | थानखम्हरिया | नांदघाट

11 राज्य मे प्रथम बार दीपावली के दिन स्वच्छता दीदीयों ...

12 दीपावली पर दो दिन हुई माता लक्ष्मी की पूजा-...

खबर संक्षेप

पुलिस स्मृति दिवसः वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

राजनांदगांव। रक्षित आरक्षित केन्द्र राजनांदगांव में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर भारत माता की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों की याद में शहीद दिवस परेड का आयोजन किया गया। 21 अक्टूबर को पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव रेंज अभिषेक शांडिल्य द्वारा इस वर्ष 2024-2025 में अपने कर्तव्य के दौरान शहीद हुए 191 अधिकारियों पुलिसकर्मियों के नाम का वाचन किया गया। जिसमें से छत्तीसगढ़ के 16 पुलिस जवानों ने राष्ट्र और समाज की रक्षा के लिए अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते देश के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर शहीद हुए हैं। शहीद परेड में शहीदों को सलामी दी गई। साथ ही इन वीर शहीदों को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में श्रद्धासुमन अर्पित की गई। उपस्थित शहीदों के परिवार का कुशलक्षेम लेकर शाल एवं श्रीफल देकर सम्मान किया गया।

दो पहिया वाहन चोरी आरोपी पकड़ाया

राजनांदगांव। ग्रामीण बैंक के सामने से बाइक चोरी करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर बाइक बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार छुरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत 16 अक्टूबर को प्रार्थी प्रमोद साहू ने रिपोर्ट दर्ज कराया था कि आरोपी राकेश कुमार चौरे 30 साल ने प्रार्थी को छुरिया के ग्रामीण बैंक के पास उधार रकम वापस करना है, बोलकर बुलाया फिर आपस में बातचीत के दौरान प्रार्थी के बाइक चाबी लगी बजाज पल्सर काला-सफेद को लेकर चोरी कर भाग गया था।

परंपराः मंदिरों में बटी अन्नकूट प्रसादी

राजनांदगांव। गोवर्धन पूजा के अवसर पर शहर के विभिन्न मंदिरों में अन्नकूट प्रसादी वितरण किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अन्नकूट प्रसादी ग्रहण किया। शहर के कई मंदिरों में श्रद्धालुओं को टिफिन में भी अन्नकूट प्रसादी दिया गया। प्रतिवर्ष दीपावली के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा के पश्चात विभिन्न मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण को मिश्रित अन्न का भोग लगाया जाता है। इसके बाद भंडारा स्वरूप अन्नकूट प्रसादी का वितरण किया जाता है। इस वर्ष भी अन्नकूट प्रसादी वितरण को लेकर विभिन्न मंदिरों में व्यापक तैयारियां की गई थी, जहां सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर अन्नकूट प्रसादी ग्रहण किया।

थाना से 2 किमी दूरी पर टेंट-लाइट, खाना-पानी साथ चल रहा था दिवाली की रात कटपत्ती महोत्सव

शाही जुआ में रेड, 1.94 लाख नकद और 75 लाख की संपत्ति जब्त, 236 पकड़ाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

दीपावली की रात घर-घर दीप जल रहे थे और लोग लक्ष्मी पूजन में व्यस्त थे, लेकिन नवागढ़-मुंगेली रोड पर ईंट भट्ठा के पास लक्ज़री जुआ फड़ का अलग ही महोत्सव चल रहा था। टेंट, लाइट, कुर्सियाँ, पंखे, खाना-पानी सब कुछ व्यवस्थित। और सबसे चौंकाने वाली बात यह कि इसमें कई प्रतिष्ठित नाम भी शामिल थे।

■ नवागढ़ की स्थानीय पुलिस की नाकामी जांच का विषय

236 जुआड़ी पत्तों पर दांव खेल रहे थे, पर जब पुलिस ने रेड मारी तो जप्त नकद केवल 1,94,548 रूपये मिली। इतने बड़े फड़ और इतने खिलाड़ियों के बावजूद इतनी कम रकम अब शंका का विषय बन चुकी है, जैसे कोई पहले ही पैसा हटा चुका हो या डिजिटल लेनदेन के जरिए फड़ संचालक पैसों का हिसाब रख रहे हों।

पुलिस की रणनीतिः मोबाइल बंद, टीम सीधे फड़ तकः आईजीपी दुर्ग रेंज राम गोपाल गर्ग (IPS) और एसएसपी रामकृष्ण साहू (IPS) के निर्देशन में एसडीओपी कौशिल्या साहू की टीम ने जिले के विभिन्न थानों से बल बुलाया। टीम को बिना बताए मोबाइल बंद कर सीधे फड़ तक ले जाया गया, ताकि सूचना फैलने से पहले पूरा घेरा बंद किया जा सके। दिवाली की रात पुलिस के घेराबंदी के दौरान कुछ खिलाड़ी भाग निकले, लेकिन 236 जुआड़ी रंगे हाथ पकड़े गए। इनमें कई प्रतिष्ठित नाम भी शामिल थे।

जब्त सामग्री

पुलिस ने मौके से नकद 1,94,548 रुपए 52 पत्तों का ताश, 123 मोटरसाइकिलें (करीब 61.50 लाख), 01 कार (करीब 4 लाख) और 140 मोबाइल फोन (करीब 8.40 लाख) जब्त किए। कुल संपत्ति का अनुमानित मूल्य 75,84,548 रहा।

मोबाइल डेटा और ऑनलाइन पत्तों की जांचः जप्त मोबाइलों की ट्रांजेक्शन हिस्ट्री और कॉल लॉग की बारिकी से जांच चल रही है। पुलिस का कहना है कि इससे ऑनलाइन सट्टेबाज़ी और फड़ नेटवर्क की जानकारी भी सामने आएगी। 236 जुआड़ी और केवल 1.94 लाख नकद? साफ संकेत है कि अधिकांश रकम डिजिटल माध्यम से चली गई होगी। मोबाइल डेटा अब सच्चाई बताएगा।

फड़ में शाही व्यवस्था

सूत्रों के मुताबिक दिवाली की रात पूरे फड़ में टेंट, पंखे, बेंच, पेयजल और भोजन की पूरी व्यवस्था थी। ऐसा लगता था जैसे शादी समारोह चल रहा हो, बस मेहमानों की जगह खिलाड़ी बैठे थे और नगर के प्रतिष्ठित लोग भी वहां मौजूद थे।

कानूनी कार्रवाई

थाना नवागढ़ में कुल 22 प्रकरण दर्ज किए गए। प्रमुख आरोपीः इन्द्रकुमार राय, गुलाब बंजारे, भगवती साहू, प्रदीप कोशले, सुरेश बांधे, मुखीराम गायकवाड, खेलूदास दिवाकर, निलेश बांधे, दिनेश टंडन, डुमेन्द्र मारकण्डेय और 226 अन्य। सभी पर छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 — धारा 3(2) के तहत कार्रवाई हुई।

स्थानीय थाना की नाकामी और सवाल

स्थानीय थाना से महज 2 किलोमीटर दूर यह फड़ कैसे चला? इतने प्रतिष्ठित लोग शामिल थे, फिर भी कोई रोक-टोक क्यों नहीं हुई? यह स्थानीय पुलिस की नाकामी या किसी स्तर पर संरक्षण था, यह अब जांच का विषय बन चुका है।

निष्कर्षः दिवाली की रात यह कार्रवाई दर्शाती है कि बड़े पैमाने पर अवैध गतिविधियों पर पुलिस सख्ती दिखा सकती है। लेकिन उठते सवाल - नकद बहुत कम होना, डिजिटल नेटवर्क और स्थानीय निगरानी की कमी है- अब जांच की मुख्य दिशा बन चुके हैं।

नोंक-झोक के बाद लड़ाई, युवक की टंगिया मार कर हत्या की आरोपी न्यायिक रिमांड पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

कभी-कभी छोटे झगड़े बड़े हादसों का रूप ले लेते हैं। ऐसा ही एक मामला ग्राम रमपुरा में सामने आया, जहाँ आपसी बातों और जमीन के मामूली विवाद ने रात्रि में जानलेवा मोड़ ले लिया। मोरध्वज चंद्राकर उर्फ मोरू (24) और आरोपी टीकम राम चंद्राकर के बीच हुई मामूली नोंक-झोंक ने अचानक खतरनाक रूप ले लिया। 19 अक्टूबर की रात्रि को मोरध्वज चंद्राकर और आरोपी टीकम राम के बीच आपसी झगड़ा हुआ। विवाद इतना बढ़ा कि हाथ थप्पड़ से मारपीट हुई। बस इसी आवेश में आरोपी ने पास रखी टंगिया उठाई और मोरू पर सिर, गर्दन और शरीर के अन्य हिस्सों में प्राणघातक वार कर दिए।

पुलिस ने तुरंत दबिश दीः सूचना मिलते ही चौकी खंडसरा एवं सिटी कोतवाली बेमेतरा की पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। मौके से मृतक की मोटरसाइकिल, मोबाइल, चप्पल और अन्य साक्ष्य जब्त किए गए। मृतक का शव जिला चिकित्सालय में पीएम के लिए भेजा गया। **आरोपी ने किया जुर्म स्वीकारः** थोड़ी देर में ही पुलिस ने आरोपी टीकम राम चंद्राकर (39) को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर अदालत में पेश किया। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि मोरू द्वारा आपसी झगड़ा और जमीन को लेकर हाथापाई करने पर उसने टंगिया से हमला किया।

पुलिस टीम की सराहनीय कार्रवाई

थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा उप निरीक्षक राकेश साहू के नेतृत्व में टीम ने त्वरित कार्रवाई की। इस टीम में सउनि कंवल सिंह नेताम, प्रधान आरक्षक रघुराज यादव, शिव कुमार बंजारे, अवधेश राजपूत, ओमप्रकाश मनहर, खेमु वर्मा, हेमंत साहू, आरक्षक पुरूषोत्तम कुंभकार, स्म्नील पांडेय, चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, चुरावन पाल, शिव सेन और धनेश लहरे शामिल थे।

अजीब सचः छोटे झगड़े कभी-कभी इंसान को कानून के जाल में फंसा देते हैं। रामपुरा की इस घटना ने यही सच साबित कर दिया कि झगड़े में आवेश और गलत समय पर हाथ उठाना जानलेवा भी हो सकता है।

कंटेनर और स्कॉर्पियो में भिड़ंत चालक की मौत, आरक्षक गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

जिला मुख्यालय के समीप एवं नेशनल हाईवे स्थित जेवरा ग्राम में बुधवार शाम भारत पेट्रोलियम कंटेनर से स्कॉर्पियो में जोरदार भिड़ंत होने से स्कॉर्पियो चालक की जहां घटना स्थल पर ही मौत हो गई वहीं साथ में रहे आबकारी आरक्षक की स्थिति नाजुक बनी हुई है।

■ नेशनल हाईवे 30 जेवरा पर हुआ हादसा

स्कॉर्पियो में विभाग की शराब लेकर आरक्षक और चालक ग्राम टेमरी स्थित शराब भट्टी में शिफ्ट करने जा रहे थे। स्कॉर्पियो में लगभग 25 पेटी शराब भरी हुई थी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कॉर्पियो वाहन के परखच्चे उड़ और वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया ।क्षतिग्रस्त स्कॉर्पियो में चालक रोशन सोनवानी ओर आरक्षक नरेंद्र सिंह ठाकुर बुरी तरह से फँस गए थे जिसे काफ़ी मशक्कत के पश्चात निकाला गया लेकिन चालक की इस दरमियान मौके पर ही मौत हो गई वहीं आरक्षक नरेंद्र सिंह ठाकुर को गंभीर अवस्था में मौके पर मौजूद लोगों ने घायल आरक्षक को तत्काल बेमेतरा जिला अस्पताल उपचार के लिए भेजवाया गया जहाँ से गंभीर हालत देखते हुए उसे रायपुर के मेकाहारा अस्पताल रेफर किया गया।

परंतु हादसे के बाद ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच रही वही कुछ लोग मौके का फायदा उठाने की कोशिश में लगे रहे और शराब की बोतलें ले जाने का प्रयास करते रहे की । पुलिस मौके पर पहुँचकर स्थिति को नियंत्रण में किया और मर्ग कायम कर जांच में जुटी हुई है।

निषाद समाज में सौखि जाल की परंपरा कायम

बेमेतरा। पुरानी परंपरा के अनुसार दीपावली के दिन निषाद समाज के लोग घर घर जाते है।साथ अपने सौखि(मछली जाली) में लोगों को ढ़ककर उन्हें सुख शांति एंव दीर्घायु की शुभाशीष भी देते है। इस परंपरा की झलक आज भी ग्रामीण अंचल के ग्राम अमचो में दिखा।गांव के शिक्षक नुतेश्वर चंद्राकर ने बताया कि सुबह से ही केवट समुदाय के लोग अपने जाली के साथ घर मे जा जाकर बच्चे,बूढ़े या जवान कोई भी हो उसे ढककर क्षेत्र की खुशहाली एंव लोगों को उत्तम स्वास्थ्य एंव दीर्घायु की दुआएं देते है।आज के दिन जो भी सौखि में अपने आप को ढकता है वह निरोगी होते है।

कस्तूरबा स्कूल की 6वीं छात्रा टिया नेशनल में खेलेंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय बेमेतरा की छोटी सी बच्ची जिसने इसी वर्ष शाला में छठवीं में प्रवेश लिया है, ने 25 वीं राज्य स्तरीय कराटे शालेय क्रीडा प्रतियोगिता 15 से 18 अक्टूबर को बिलासपुर में आयोजित प्रतियोगिता में अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 वर्ष से कम उम्र में रायपुर और बस्तर संभाग को हराकर गोल्ड मेडल प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह बनाकर शाला को दीपावली का अनोखा उपहार दिया। छोटी सी बालिका कु टिया ने इतनी बड़ी उपलब्धि अपनी मेहनत, लगन से हासिल किया है। कु टिया ने साबित किया है कि उम्र चाहे कोई भी हो जस्बा बड़ा होना चाहिए। मेहनत से सब कुछ हासिल किया जा सकता है। कु टिया की इस उपलब्धि से कस्तूरबा परिवार में खुशी का माहौल है। अधीक्षिका भारती धृतलहरे ने बताया की यहां के बच्चियां पढ़ाई के अलावा अन्य गतिविधियां जैसे खेल, नृत्य, बागवानी, सिलाई, कम्प्यूटर में भी रुचि लेती है लगन, अनुशासन अपनी मेहनत और शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन से आगे बढ़ रही है। कु टिया की इस उपलब्धि से कस्तूरबा परिवार गौरवान्वित हुआ है। शिक्षिकाओं ममता गुरुपंच, राजकिरण मिश्रा, गायत्री साहू,विजयलक्ष्मी परगनिया, नेहा वर्मा सावित्री यादव, दीप्ति नौरंगे, अनिता साहू ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

छह गौवंश से भरा वाहन पकड़ाया, एक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

पुलिस ने मवेशी तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। नांदघाट पुलिस ने 16 गौवंश से भरी एक वाहन सहित आरोपी को गिरफ्तार किया गया ।

आरोपी की पहचान मनोज कुमार यादव के रूप में हुई है, जो बिहार के भजपुर जिले का रहने वाला है। इसमें नाबालिक बालक भी शामिल था । जब्त आईसर वाहन क्रमांक सीजी 15 डी जेड 8001 से 16 नग गौवंश

जिसमें 11 गाय और 5 बछड़ा/बछिया) थे जिसे बरामद किया गया पुलिस ने बताया कि प्रार्थी विवेक शुक्ला ने सूचना देते हुए रिपोर्ट दर्ज कराया कि आईसर वाहन में गौवंश पालतु पशुओं को रस्सी से बांधकर बिना चारा पानी भुसा दिये बिना ठुस ठुस कर वाहन में कुरतापूर्वक भरकर परिवहन करते कत्लखाना ले जा रहे हैं। रिपोर्ट पर थाना नांदघाट में धारा छ.ग. कृषक पशु परि.अधि. 2004 की धारा 4,6,10, पशुओ के प्रति क्रुरता का निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11, (घ) पंजीबद्ध कर आरोपी मनोज कुमार यादव, पिता स्व. हीरा यादव, उम्र 36 साल, ग्राम बडाटोला, थाना जगदीशपुर, जिला भजपुर (बिहार) एवं विधि के साथ संघर्षरत बालक गिरफ्तार किया गया। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी नांदघाट निरीक्षक लेखराम ठाकुर, प्रधान आरक्षक यागेश्वर देशमुख, प्रधान आरक्षक खुलेश्वर गायकवाड, विजय शुक्ला, आरक्षक संजय साहू, प्रताप यादव, आकाश राजपूत, रूपेन्द्र वर्मा, देवनारायण साहू, अजय गोयल एवं अन्य स्टाफ व गौ सेवको शामिल रहे।

पारंपरिक वेश भूषा में यादव समाज ने किया नृत्य

गोवर्धन उत्सव में यादव परंपरा का रहा आकर्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवागढ़

दीपावली के दो दिन बाद बुधवार को नवागढ़ बस स्टैंड स्थित गौठान में सर्व यादव समाज द्वारा पारंपरिक उल्लास और भक्ति के साथ गोवर्धन पूजा का आयोजन किया गया। पूरे कार्यक्रम की अगुवाई नवागढ़ नगर प्रधान विकास धर दीवान ने किया। उन्होंने वरिष्ठजनों और समाज के लोगों के साथ मिलकर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा नगर की खुशहाली और समृद्धि की कामना की।

सुबह से ही यादव समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा, गढ़वा बाजा और ढोल-झांझ की थाप पर झूमते हुए मालगुजार को परघाते हुए गौठान पहुंचे। पूजा के बाद भगवान कृष्ण एवं नंदी का माल्यार्पण किया गया और राममंदिर के दर्शन हेतु टोली रवाना हुई।इस दौरान यादव समाज की टोली ने नाचा पार्टी के साथ मिलकर राउत नाचा और दोहे प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। पूरा गौठान "जय गोवर्धन, जय श्रीकृष्ण" के जयघोष से गूंज उठा। नगर प्रधान विकास धर दीवान ने कहा कि गोवर्धन पूजा हमारी संस्कृति और आस्था का प्रतीक है। यादव समाज प्रकृति, गोवंश और परंपरा के प्रति सम्मान का प्रतीक है। गोबर तिलक से शुरू यह परंपरा हमारी पहचान है और आने वाले समय में नवागढ़ को प्रदेश ही नहीं, विश्व स्तर पर पहचान दिलाएगी। दीवान ने उपस्थित समाजजनों की एकता और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि गोवर्धन पूजा न सिर्फ धार्मिक आयोजन है, बल्कि समाजिक समरसता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक भी है। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष सिद्धांत चौहान, बंशीधर दीवान, कौस्तुभ धर दीवान, हेमकांत यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष चंद्रपाल साहू, मिंटू बिसेन, रोशन धर दीवान, सुरेश निषाद, गिरेन्द्र महिलांग, नंद गुप्ता, रुमपल टुटेजा, पंचू यादव, खेलन यादव, जीवन यादव, अर्जुन यादव, जुगरु साहू, बुलठू यादव, धनीराम निर्मलकर, गुनी रजक, बाबूराम जायसवाल समेत सैकड़ों यादव समाजजन एवं नगरवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में समाज के युवाओं ने एक-दूसरे को गोबर तिलक लगाकर एकता और भाईचारे का संदेश दिया। पूरा गौठान श्रद्धा, संगीत और उल्लास से भरा रहा।

2.78 लाख किया जब्त 423 जुआरी गिरफ्तार

बेमेतरा। दीपावली पर्व में जिले में जमकर जुआ का जोर रहा इस दौरान ताश खेलने वालों ने लाखों रुपए की हार जीत लगते रहे । वही पुलिस भी इन जुआ खेलने वालों की धरपकड़ में जुटी रही और पुलिस ने दीपावली के तीन दिनों में जुआ एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए जिले के विभिन्न थानों और चौकियों में 66 प्रकरण दर्ज कर 423 जुआड़ियों से नगदी रकम 2,लाख 78 हजार 120 रुपये और 52 पत्ती तास जप्त किए गए हैं।

पुलिस ने 423 जुआड़ियों के विरुद्ध धारा 3(2) एवं 4 (5) छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 के तहत कारवाई की गई है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना बेमेतरा, नवागढ, नांदघाट, खम्हरिया, साजा, बेरला, परपोडी, चंदनू एवं चौकी मारो, देवकर, कंडरका, संबलपुर सहित अन्य थाना क्षेत्र में अवैध तौर पर तालाब,स्कूल परिसर गौठान,बाजार क्षेत्र सहित अन्य निजी स्थानों पर जुआं खेलने की सूचना मिलते ही उक्त कारवाई की गई म इस दौरान कुछ जुआडियान पुलिस को आते देखकर मौके से भागने में सफल रहे।

खबर संक्षेप

ज्ञान प्रोत्साहन योजना, आवेदन 31 तक

कवर्धा। मुख्यमंत्री ज्ञान प्रोत्साहन योजना अंतर्गत सत्र 2025-26 में जिले के विद्यार्थियों के चयन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिले के कुल 77 विद्यार्थियों की सूची प्राप्त हुई है, जिन्हें ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत करना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कक्षा 10वीं के अनुसूचित जाति वर्ग के 18, अनुसूचित जनजाति वर्ग के 12 तथा कक्षा 12वीं के अनुसूचित जाति वर्ग के 29 और अनुसूचित जनजाति वर्ग के 18 विद्यार्थी योजना हेतु चयनित किए गए हैं। योजना के अंतर्गत ऑनलाईन आवेदन पूर्ण करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2025, सायं 05:00 बजे तक निर्धारित की गई है।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने ग्राम सेमरहा के बच्चों के साथ मनाई दीपावली

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

दीपावली के अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने ग्राम रणवीरपुर में ग्राम सेमरहा से आए बच्चों के साथ दीपावली मनाई। उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दी और सबके मंगलमय जीवन और छत्तीसगढ़ प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान भावना बोहरा के साथ ग्राम सेमरहा के बच्चों ने मुलाकात कर उन्हें दीपावली की बधाई दी, उनके साथ पटाखे फोड़े, एक दूसरे का मुंह मीठा किया और विधायक भावना बोहरा के साथ रात्रि भोजन भी किया। भावना बोहरा ने बच्चों को ढेर सारी बधाई और आशीर्वाद दिया, उन्हें खूब मन लगाकर पढ़ाई करने की बात कही। बच्चों ने बड़े ही उत्साह और उल्लास के साथ दीपावली मनाई। इस दौरान उनके चेहरों पर खुशी देखते ही बन रही थी। इस अवसर पर भावना बोहरा ने कहा कि आज दीपावली के अवसर पर ग्राम सेमरहा के बच्चों का आगमन हुआ। उनके साथ दीपावली मानकर मन को बहुत ही सुखद अनुभूति हुई। उनके चेहरों की मुस्कान और खुशी देखकर मन को यह संतोष है कि एक अभिभावक के रूप में मैंनें उनके प्रति जो जिम्मेदारी ली है उसे हमेशा पूरी करती रहूंगी। ये सभी बच्चे मेरे परिवार का हिस्सा है इसलिए मेरा हमेशा यही प्रयास रहा है कि हर त्योहार में उनके साथ रहूं, उन्हें किसी भी प्रकार की कोई कमी न होने दूं, उनके परिजन उन्हें जो खुशियां देते उन्हें मैं पूरा कर सकूं, मेरा बस यही प्रयास है। उनकी शिक्षा में कोई अवरोध न आए, उनका भविष्य उज्ज्वल और सुरक्षित हो इसके लिए मेरी जो भी जिम्मेदारी बनती है उसे मैं हमेशा निभाऊंगी। उनके हर सुख-दुख, तीज-त्योहार में मैं उनके साथ हूं। उनके परिजनों की कमी को तो मैं पूरा नही कर सकती लेकिन, मेरा एक ही लक्ष्य है कि उन्हें अपने जीवन मे आगे बढने, सफल होने और सही राह चुनने के लिए मैं एक माध्यम बन सकूं। किसी भी परिस्थिति में उन्हें अकेला और अपने परिजनों की कमी महसूस न हो इसके लिए मैं हमेशा प्रयास करती रहूंगी। उनसे एक भावनात्मक जुड़ाव भी है उन्हें कोई तकलीफ न हो किसी भी चीज की कमी न हो इसके लिए मैं लगातार उनसे संपर्क में रहती हूं और विशेष पर्व और त्योहार में उनके साथ मिलकर मानना मुझे स्वयं को एक सुखद अनुभव प्रदान करता है। भावना बोहरा ने आगे कहा कि आज दीपावली का पर्व है। यह पर्व न केवल हमारी परंपराओं का प्रतीक है, बल्कि धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों का संगम भी है। भगवान श्री राम के 14 वर्ष के वनवास के पश्चात अयोध्या लौटने की खुशी में पूरा देश उनके आगमन का उत्सव बड़े ही धूम-धाम से मनाते हैं। प्रभु श्रीराम जी के आदर्शों को लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं और एक जनप्रतिनिधि के रूप में अपने दायित्वों को पूरा करने का मैंने हमेशा प्रयास किया। इस प्रयास में पंडरिया विधानसभा की प्रत्येक जनता का मार्गदर्शन, सुझाव एवं सहयोग मुझे मिलता रहा है और मुझे विश्वास है आगे भी यह सहयोग हमें प्राप्त होता रहेगा।

पंडरिया क्षेत्र का किया जा रहा है निरंतर विकासः भावना

कार्यक्रम के दौरान पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने कहा कि पंडरिया विधानसभा को समृद्ध बनाने के लिए निरंतर विकास व अधोसंरचना निर्माण कार्यों को हम गति दे रहें हैं, जनता की मूलभूत सुविधाओं का विशेष ध्यान रखकर उसका विस्तार कर रहें हैं। महिलाओं के सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, सुशासन एवं किसानों के कल्याण के लिए हमारा प्रयास निरंतर जारी है।

वारदात: सब्बल से सिर पर किया प्राणघातक हमला, मौके पर मौत, आरोपी गिरफ्तार

आपसी विवाद के बीच पति ने पत्नी को उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा/पाण्डातराई

त्यौहारों के इस सीजन में जिले के पाण्डातराई थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम सोढ़ा में पति-पत्नी के बीच हुए आपसी विवाद में पति ने अपनी पत्नी के सिर में सब्बल से प्राणघातक वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका का शव बरामद कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। आगे की कार्यवाही की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सोढ़ा निवासी श्रीमती अश्वनी बाई गेंड्रे, उम्र लगभग 45 वर्ष का बुधवार की सुबह करीब 4-5 बजे किसी बात को लेकर अपने पति परशुराम गेंड्रे से विवाद हो गया। बताया जाता है कि पति-पत्नी के बीच विवाद इतना बढ़ा की पति ने अपना आपा घोते हुए घर में ही रखी सब्बल से अपनी पत्नी के सिर पर प्राणघातक वार कर दिया। महिला के सिर पर सब्बल की चोट इतना घातक की थी उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी पीड़िता के परिजनो और आसपास के लोगों की लगने के बाद मौके पर जमावड़ा लगा गया और घटना की जानकारी तत्काल पाण्डातराई पुलिस को दी गई।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका का शव बरामद कर आरोपी पति को हिरासत में ले लिया। वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस आगे की पूछताछ और कार्यवाही कर रही है। लेकिन अभी तक इस बात खुलासा नहीं हुआ है कि हत्या की वजह क्या है और किन स्थिति परिस्थितियों के दौरान आरोपी ने यह कदम उठाया है।

पति-पत्नी में विवाद का कारण अज्ञात

अभी इस बात की जानकारी नहीं मिल पा है कि आखिर पति-पत्नी के बीच किस बात को लेकर विवाद हुआ था और विवाद के बीच ऐसा क्या हुआ कि पति ने अपना आपा खोते हुए अपनी पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। बहरहाल पुलिस इन सारी बातों का पता लगाने में जुटी हुई है। पुलिस ने मौके से घटना में प्रयुक्त सब्बल बरामद कर लिया है।

कवर्धा नगर सहित अंचल में धूमधाम से मनाई गई दीपावली

लोगों ने विधि विधान से की पूजा अर्चना, देररात तक की आतिशबाजी

- पर्व को लेकर सभी वर्गों में दिखा भारी उत्साह और उमंग

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

दीपोत्सव का महापर्व 20 अक्टूबर को परम्परागत रूप से उल्लास पूर्वक मनाया गया। शाम को शुभ मुहुर्त में महा लक्ष्मी जी की पूजा अर्चना की गई तथा सुख समृद्धि का आशिर्वाद मांगा गया।

देर शाम पूजा अर्चना के बाद समूचा शहर आतिशी धमाकों से गूंजने लगा। लोगों ने एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दी। दीप पर्व के रोज समूचा नगर दुल्हन की तरह सजाया गया था। हर घर और व्यवसायिक प्रतिष्ठानो में रंग बिरंगी रोशनी जगमगा रही थी। गुमठियों से लेकर छोटे-बड़े व्यापारिक, प्रतिष्ठानों, मकानों आदि की साफ सफाई और रंग रोगन कर चकाचक चमका दिया गया था। दीवाली मनाने का सिलसिला धनेतरस से ही शुरू हो चुका था। मुहुर्त के अनुसार लोगों ने धनतेरस के दिन अपने सामर्थ के हिसाब से सोने चांदी के जेवरातों, नेंग के बर्तन की खरीदी कर ली थी। धनतेरस की रात शहर के राऊतों, ठेठवारों, पहारियों ने अपने किसानों, मालिक ठाकुरों के घर जा कर गौ धनो को रस्मो रिवाज से सोहई बांधी और सोहई बांधने के दौरान छत्तीसगढ़ी में दोहा गाकर उनकी सुख समृद्धि की कामना की। 20 अक्टूबर को शुभ मुहूर्त लगते ही व्यापारिक प्रतिष्ठानों, घरों में महा लक्ष्मी की पूजा अर्चना की गई तथा मंगलमय समृद्धि कारक शुभ फल का आशिर्वाद मांगा गया।

लक्ष्मी पूजन के पश्चात समुचे शहर में आतिशी धमाकों के साथ एक दूसरे को बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया। हर वर्ग व आयु समूह के लोग पारम्परिक धोती, कुर्ता पोशाकों के अलावा अधुनातन पोशाकें धारण कर दीवाली की खुशियां बिखेर रहे थे। रंग बिरंगे वस्त्र धारण कर गृहणियां, बहु बेटियां थाल पर रखे दीपकों को घरों की देहरियां, दरवाजों, आंगन पर सजाकर दीपमल्लिका पर्व को रोशन कर रही थी। इस अवसर पर घरो व दुकानों को आकर्षक बिजली के डालरों से सजाया गया था और नगर रंग बिरंगी रोशनी सराबोर रहा।

लक्ष्मी पूजन के पश्चात करपात्री चौक, शीतली मंदिर चौक, सराफा बाजार, महावीर स्वामी चौक, आजाद चौक, नवीन बाजार चौक, इंदिरा चौक जैसे व्यस्त व्यवसायिक इलाकों सहित गलि-मुहल्लों में दनादन पटाखे फूटने लगे और अनार दाना, फल छड़ी, सांप गोली, राकेट, लड़ियों आदि की तेज रोशनी शहर जगमगा उठा। दीपोत्सव पर बच्चों और युवा वर्ग में खासा उत्साह देखा गया।

छोटे बड़े व्यापारियों, राजनेताओं, जनप्रतिनिधियों, नागरिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों आदि ने घूम-घूम कर दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनांए दी। तथा एक दूसरे को बधाई संदेश, मिठाई व उपहार आदि भेंट किया। कुल मिलाकर दीपोत्सव का पर्व कवर्धा नगर सहित समूचे जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दीपावली पर स्थानीय बाजार में की खरीदी

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दीपावली पर्व के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकल फॉर वोकल के संदेश को आत्मसात करते हुए कवर्धा में स्थानीय बाजार में पहुंचकर खरीदी की। उन्होंने कहा कि त्योहारों के अवसर पर स्थानीय उत्पादों की खरीदी से न केवल छोटे व्यवसायियों और कारीगरों को प्रोत्साहन मिलता है, बल्कि स्वदेशी अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा अपने चिरपरिचित सरल और सहज अंदाज में मोटरसाइकिल से कवर्धा भ्रमण करते हुए स्थानीय बाजार पहुंचे। उन्होंने दुकानदारों और नागरिकों से आत्मीयता पूर्वक मुलाकात की तथा सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। स्थानीय व्यापारियों ने उपमुख्यमंत्री के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि इससे आमजन में लोकल फॉर वोकल के प्रति जागरूकता और बढ़ेगी। उन्होंने रोड किनारे बैठे दुकानदारों से दीपक, पूजा समाग्री, कमल, सिंघाड़ा, धान की बाली और अन्य वस्तुएं ख री दी । दीपावली के इस शुभ अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने सभी से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और स्थानीय उद्योगों को समर्थन देने का आग्रह किया। उन्होंने स्थानीय होटल में जाकर बच्चों और स्थानीय लोगों के साथ नास्ता भी किया।

गोवर्धन पूजा कर पशु धन को खिलाया गया अन्य कूट

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

वर्षो पुरानी सनातनी परम्परा का निर्वाहन करते हुए कवर्धा सहित अंचल में बुधवार को गोवर्धन पूर्व मनाया गया। मान्यता के अनुसार इस पर्व विशेष में मुख्य रूप से गांय के गोबर से गोवर्धन पर्वत की आंकृति बनाकर उसकी विधि विधान से पूजा अर्चना की और गौ माता को अन्य कूट खिलाया गया। बुधवार को गोवर्धन पूजा के दिन लोगों ने गाय के गोबर से गोवर्धन की मानव आकृति बनाकर उसके चारों तरफ गाय, बछड़े व अन्य पशुओं के साथ बीच में भगवान श्री कृष्ण की आकृति बनाई गई तथा 5 प्रकार के सब्जियों द्वारा निर्मित अन्नकूट एवं दही, बेसन की कढ़ी द्वारा गोवर्धन का पूजन एवं भोग लगाया गया। गाय को देवी लक्ष्मी का प्रतीक मानकर लक्ष्मी पूजा के बाद गौ पूजा की भी परंपरा निभाई। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए लोगों ने धूमधाम के साथ गोवर्धन पूजा की। मान्यता है कि इसी दिन भगवान श्री कृष्ण ने गोकुल में भगवान श्री कृष्ण ने लोगों प्राकृतिक आपदा से बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी ऊंगली में धारण किया था। तभी से इस पर्व में को मनाया जा रहा है।

भाईदूज का त्यौहार आज

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

भाई दूज कार्तिक मास के शुक्लपक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। इस बार भाई दूज का त्योहार 23 अक्टूबर, गुरुवार को मनाया जाएगा। जानकारों के मुताबिक 23 अक्टूबर को दोपहर 01 बजकर 13 मिनट से 03 बजकर 28 मिनट तक भाईयों को तिलक करने का शुभ मुहुर्त रहेगा।

पुलिस स्मृति दिवस पर नाम वाचन कर शहीदों को दी गई श्रद्धांजली

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

कबीरधाम पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल की उपस्थिति में देश की रक्षा के लिए अपने कर्तव्य का निर्वाहन करते हुए अपने प्राणों की आहुती देने वाले देश के अमर वीर शहीदों को दिन मंगलवार 21 अक्टूबर को कबीरधाम जिले के पुराने पुलिस लाईन में स्थित शहीद स्मारक स्थल पर पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित की गई। कबीरधाम जिला के पुलिस कप्तान धर्मेंद्र सिंह द्वारा समारोह को संबोधित करते हुए कहा गया कि 21 अक्टूबर 1959 में लद्धाख में तीसरी बटालियन की एक कंपनी को भारत तिब्बत सीमा सुरक्षा के लिये लद्धाक में हाट स्प्रिंग में तैनात किया गया था। कपंनी को टुकड़ी में बाटकर चौकसी करने को कहा गया था। जब बल के 21 जवानों का गश्ती दल हाट स्प्रिंग में गश्त कर रहा था, तभी चीनी फौज के एक बहुत बड़े दस्ते ने इस गश्ती टुकड़ी पर घात लगाकर आक्रमण कर दिया, तब भारतीय बल के मात्र 21 जवानों ने चीनी आक्रमणकारियों का डटकर मुकाबला किया व मातृभुमि की रक्षा के लिये लड़ते हुए 10 शूरवीर जवानो ने अपने प्राणो का बलिदान देश के लिए दिया। हमारे जवानों के लिये व हम सबके लिये यह गौरव की बात है, कि केन्द्रीय पुलिस संगठनो व सभी राज्यो की पुलिस द्वारा पुलिस स्मृति दिवस के रूप में प्रतिवर्ष मनाया जाता है।

दो दिनो तक चला गौरा-गौरी उत्सव, धूमधाम से रचाया गया गौरा-गौरी का विवाह

धूमधाम से मनाया गया गौरा उत्सव, दिनभर होते रहा विसर्जन

फाईल फोटो

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा।

अमुमन दीपावली के दूसरे दिन मनाया जाने वाली गौरा गौरी उत्सव इस बार दीपावली के तीसरे दिन कवर्धा सहित समूचे अंचल में धूमधाम व हर्षोल्लसा के साथ मनाया गया। बुधवार को गोवर्धन पूजा के साथ-साथ नगर तथा अंचल के लोगों ने पारंपरिक रूप से गौरा-गौरी उत्सव भी बनाया।

भगवान शंकर व पार्वती के विवाह उत्सव में शामिल लोगों ने नगर के विभिन्न स्थानों में भगवान गौरा-गौरी के विवाह मण्डप बनाकर बरात निकाली तथा विवाह की दूसरी रस्म अदा की। इस अवसर पर बैंड तथा सींग बाजे के उत्तेजक धुन पर नाचते गाते लोगों ने नगर के प्रमुख मार्गो का भ्रमण कर स्थानीय राधा कृष्ण बड़े मंदिर तालाब पर मण्डप विसर्जित किए। प्रतिवषानुसार इस वर्ष भी नगर में परम्परागत ढंग से गौरा-गौरी का त्यौहार हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया गया। पूरे दो दिनों तक चलते वाले इस उत्सव में नगरवासियों ने सामूहिक रूप से हिस्सा लेकर विवाह की रस्मे निभाई।

गौरा समितियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपावली के प्रथम दिवस धनतेरस को गौरा पर्व प्रारंभ हो जाता है। गोरा पर्व में दीपावली अमावस्या को गौरा मण्डप बनाने हेतु गाजे-बाजे के साथ दूर नदी तट से मिट्टी लाई गई तथा परम्परा के अनुसार देररात तक विधि विधान से गौरा-गौरी की मूर्ति, मण्डप व भीम सेन की प्रतिमा बनाई गई। तत्पश्चात विवाह की रस्मे निभाई गई। रंग बिरंगी चमकीली कागजों से सजाई गई इन प्रतिमाओं को ब्रम्ह मुहुर्त में परघाकर गौरा चौरा में विराजित किया गया।

जहां लोगों ने गौरा गौरी की विधि विधान से पूर्जा अर्चना की और नगर में शोभायात्रा निकाली गई। गौरा समितियों के सदस्यों के अनुसार इस उत्सव के दौरान कुछ लोगों को गौरा देव भी चढ़ते है। जिससे वे उत्सव में बज रहे गौरा के उत्तेजक धुन पर नाचते है। इन्हें शांत करने के लिए कई प्रकार के जतन किये जाते है। जिसमें होंम, धूप, बोड़ा, पानी, शराब व सांट आदि शामिल है। सामान्य प्रयास के विफल होने पर उनके मांग के अनुरूप पुरूषों को बम शब्द के साथ सांट व महिलाओं के हांथों में बोड़ा अर्थात रस्सी के द्वारा जलता हुआ तेल की बूंद गिराई जाती है तब उन पर आए गौरा देव या वीर शांत होते है।

ग्रामीण अंचलों में भी उत्सव की रही धूम

ग्रामीण अंचालों में भी गौरा-गौरी की धूम रही। पर्व के मौके पर गांव-गांव में गौरा गौरी की स्थापना की और बाजे गाजे के साथ मंगलवार को सुबह से पूजा पाठ के साथ उनका विसर्जन किया गया। गामीण अंचल के ग्राम गुढ़ा-सोनपुरी, केसली, तमरुवा, नवागांव, बिपतरा, कोयलारी, मरका, कुण्डा, चिल्फीघाटी, पाण्डतराई, कोलेगांव, कोढवागोड़ान सहित अन्य गावों में गौरा गौरी उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। जिसमे गौरा-गौरी की स्थापना की गई, तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में लोगों का उत्साह देखते ही बनर रहा था। लोगों ने पूरी श्रृद्धा भक्ति के साथ गौरा-गौरी का ब्याह रचाया और उत्सव मनाया।

हमारा कवर्धा प्रदेश का सबसे स्वच्छ हो इस संकल्प को लेकर कार्य कर रहे है: उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

राज्य मे प्रथम बार दीपावली के दिन स्वच्छता दीदीयों व कमांडो का मंत्री निवास में जलपान व स्नेहिल सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

पर्व से पूर्व और पर्व के उपरांत जो हाथ स्वच्छता का प्रकाश प्रसारित करते है ऐसे स्वच्छता दूतों का दीपावली के अवसर पर उप मुख्यमंत्री व स्थानीय विधायक विजय शर्मा ने अपने निज निवास पर नगरपालिका परिक्षेत्र के लगभग 200 सफाई श्रमिक कमांडो को आमंत्रित कर उनके साथ जलपान किया और सादर सम्मान करते हुए उपहार भेंट किया। गौरतलब है कि छतीसगढ़ राज्य मे दीपावली के अवसर पर प्रथम बार किसी मंत्री ने अपने निज निवास में ऐसा आत्मीय आयोजन साकारित कराया है। विदित हो कि नगर में जब भी त्यौहारों का उल्लास छाता है और घर-घर दीपों की जगमगाहट होती है, तब शहर की स्वच्छता व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने में सबसे अहम भूमिका निभाते हैं हमारे स्वच्छता दीदी और स्वच्छता कर्मी भाई जो प्रातः काल से लेकर देर तक सड़कों, मोहल्लों और सार्वजनिक स्थलों को चमकाते रहते हैं। इन्हीं निस्वार्थ भाव से सेवा करने वाले स्वच्छता कर्मियों के सम्मान आज उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने एक प्रेरणादायक पहल करते हुए नगर की लगभग दो सौ स्वच्छता टीम के महिला और पुरुष सदस्यों को फटाखे, मिठाई और उपहार भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी स्वच्छता कर्मियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपावली का वास्तविक अर्थ केवल घरों में दीप जलाना नहीं, बल्कि उन हाथों का सम्मान करना भी है जो हमारे नगर को रोजाना प्रदूषण और गंदगी से मुक्त करते हैं। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा की त्यौहारों से पूर्व नगर को साफ-सुथरा बनाए रखने का सबसे बड़ा दायित्व हमारी स्वच्छता टीम के दीदी और भाइयों का रहता है जो बिना किसी दिखावे के समाज के प्रति अपना कर्तव्य निभाते हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्र प्रकाश चन्द्रवंशी सहित जनप्रतिनिधि स्वच्छता दीदी, कमांडो उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने स्वच्छता कर्मियों को स्वच्छता के प्रकाश दीप बताते हुए कहा कि जिस प्रकार दीपक अंधकार को दूर करता है, उसी प्रकार ये स्वच्छता योद्धा हमारे समाज से गंदगी और अव्यवस्था को दूर कर स्वच्छता का संदेश फैलाते हैं। उन्होंने नगरवासियों से आग्रह करते हुए कहा कि इस दीपोत्सव पर इनका सच्चे मन से मान-सम्मान करें, इनका अभिवादन करें और दिल से धन्यवाद दें, क्योंकि यही हमारी वास्तविक कृतज्ञता होगी। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आरंभ किए गए स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने में जिन लोगों ने सबसे बड़ी भूमिका निभाई है, वे हमारे यही स्वच्छता दीदी और भाई हैं, जिन्होंने जमीन पर रहकर इस अभियान को मजबूती प्रदान की है। उन्होंने नगर पालिका के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से भी अपील की कि वे समय-समय पर इन कर्मियों से संवाद स्थापित करें और इनके कार्यों की सराहना करते रहें। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता दीदियों ने अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि आज मिल रहे इस सम्मान से हमारा मनोबल कई गुना बढ़ा है और हम पूरी निष्ठा के साथ नगर की स्वच्छता बनाए रखने के लिए सदैव संकल्पित रहेंगे।

डीप्टी सीएम ने स्वच्छता कर्मियों के अथक परिश्रम को सराहा

उन्होंने उपमुख्यमंत्री जी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए दीपावली की शुभकामनाएं भी दीं। सभी स्वच्छता कर्मियों ने भी सामूहिक रूप से कवर्धा के स्थानीय विधायक विजय शर्मा के इस सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया है। ज्ञातव्य हो कि नगरवासियों ने नगर विधायक के इस आत्मीय पहल व प्रेरक कार्य की मुक्त कंठ से सराहना करते इसे प्रेरणादायी बताया। इस आत्मीय आयोजन पर उपस्थित समस्त लोगों ने स्वच्छता कर्मियों के अथक परिश्रम को सराहा। वरिष्ठ नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने भी स्थानीय विधायक द्वारा किए गए इस सम्मानजनक पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि वास्तव में समाज में सबसे अधिक सम्मान के हकदार वे लोग हैं जो बिना किसी कैमरे, मंच या चर्चा के प्रतिदिन सुबह से पहले जागकर पूरे नगर को चमकाने में जुट जाते हैं।

मातर मड़ाई मेला में उमड़ा उत्साह
ग्रामीण संस्कृति की झलक से गूंजा क्षेत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭बरबसपुर

दीपावली पर्व के पश्चात पारंपरिक रूप से आयोजित होने वाली गोवर्धन पूजा और राउत नाच के माध्यम से मातर मड़ाई मेला का भव्य आयोजन बरबसपुर में किया गया। इस सांस्कृतिक आयोजन में पूरे ग्रामवासियों सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। मेला स्थल लोगों की भीड़ से भरा रहा और पूरे क्षेत्र में लोक संस्कृति की रंगत देखते ही बन रही थी। जिला अध्यक्ष यादव समाज के धनी यादव ने जानकारी देते हुए कहा कि दीपावली के अगले दिन गौठान में गोवर्धन पूजा की जाती है, जिसके बाद मातर मड़ाई मेला प्रारंभ होता है। यह मेला यादव समाज की परंपराओं का जीवंत प्रतीक है। इसमें राउत नाच, दोहा-साखी और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुनों के बीच युवा और बुजुर्गों ने मिलकर लोक संस्कृति का प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि मातर मड़ाई का अर्थ है गाय-भैंसों की खुशहाली और गौवंश संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना। राउत नाच के माध्यम से ग्रामीणों ने भगवान गोवर्धन की पूजा का महत्व बताया और समाजिक एकता का संदेश दिया। मेले में स्थानीय कलाकारों ने आकर्षक झांकियां निकालीं, वहीं महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में पूजा-अर्चना कर मेला की शुरुआत की। पूरे ग्राम में उत्सवी माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने बताया कि यह मेला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि अपनी जड़ों, परंपराओं और गोवंश के प्रति श्रद्धा प्रकट करने का पर्व है। मेले में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी वर्गों की सहभागिता रही। लगातार घंटों तक चली राउत नाच की प्रस्तुतियों ने लोगों का मनमोह लिया। मेला समिति द्वारा ग्रामीण भोजन व्यवस्था, पारंपरिक खेल और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि दीपावली पर्व के बाद शुरू होने वाला मातर मड़ाई मेला अगामी कई दिनों तक इसी तरह हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा, जिसमें अन्य गांवों के लोग भी शामिल होंगे। इस सांस्कृतिक आयोजन ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि छत्तीसगढ़ की ग्रामीण संस्कृति आज भी अपनी परंपराओं के संरक्षण के प्रति जागरूक और समर्पित है।

जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी ने कवर्धा में मनाया दीपोत्सव

कवर्धा में महालक्ष्मी पूजन से गुंजायमान हुआ शंकरा भवन, दीपों की आभा में डूबा शहर

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

ज्योतिर्मठ बद्रीनाथ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने इस वर्ष छत्तीसगढ़ की धरती पर दिवाली का पर्व आध्यात्मिक उल्लास और वैदिक परंपराओं के साथ मनाया। राज्य शासन द्वारा उन्हें राज्य अतिथि का सम्मान प्रदान किया गया। शंकराचार्य के प्रवास से कवर्धा धर्म और अध्यात्म का केंद्र बन गया। शहर के कोने-कोने में दीपों की जगमगाहट के साथ वैदिक मंत्र ध्वनियां वातावरण को पवित्र करती रहीं। शंकरा भवन में महालक्ष्मी दीपावली पूजन बना मुख्य आकर्षण दीपावली की रात्रि में शंकरा भवन सीईओ चंद्र प्रकाश उपाध्याय निवास में भव्य महालक्ष्मी पूजन और रात्रि व्यापी आराधना का आयोजन हुआ, जिसमें शंकराचार्य स्वयं वेदाचार्यों के साथ उपस्थित रहे। भवन के प्रत्येक द्वार पर दीपों की लड़ी सजाई गई और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महालक्ष्मी का आवाहन कर छत्तीसगढ़ की उन्नति, समृद्धि और शांति का आशीर्वाद मांगा गया। पूरे परिसर में भक्तों के लिए चौबीस घंटे दर्शन की व्यवस्था रही। भजन-कीर्तन, वेदमंत्र और शंखनाद से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। दिव्य अलंकरण के साथ माँ महालक्ष्मी का महाअभिषेक किया गया। तत्पश्चात शंकराचार्य ने स्वयं भक्तों को पटाखा वितरण कर सभी के जीवन में प्रकाश और आनंद का संदेश दिया। विशेष उल्लेखनीय क्षण मध्यरात्रि में माँ काली मंदिर ठाकुरपार में वैदिक रीति से पूजा-अर्चना कर शंकराचार्य ने छत्तीसगढ़ की धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना को और सशक्त करने का आह्वान किया। रात्रि भर शंकरा भवन में दीप आराधना, सहस्त्रनाम जप और महालक्ष्मी स्तोत्र पाठ होता रहा।

दीपावली पर कवर्धा में भव्य स्वागत और पालकी यात्रा

दीपावली के दिन शंकराचार्य के कवर्धा आगमन पर नीलकंठ चंद्रवंशी के नेतृत्व में सैकड़ों दुपहिया वाहनों की बाइक रैली निकाली गई। अशोक वाटिका में पादुकापूजन के बाद धर्मध्वज चौक पर विशाल धर्मध्वज पूजन संपन्न हुआ। इसके पश्चात ऐतिहासिक पालकी यात्रा निकाली गई, जो शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई शंकरा भवन पहुँची। मार्ग में समाज के विभिन्न वर्गों, व्यापारी संघों और श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। पालकी यात्रा ने दीपावली के पर्व को आध्यात्मिक महोत्सव का स्वरूप प्रदान किया। गोवर्धन पूजा टाटीकसा में गौवंश संरक्षण का संदेश दिया व गोवर्धन पूजा के अवसर पर शंकराचार्य मीडिया प्रभारी अशोक साहू के गृह ग्राम टाटीकसा पहुँचे। गाँव की सीमा पर भक्तों ने बाइक रैली और वैदिक मंत्रों के साथ स्वागत किया। गौशाला में विशेष गौपूजन और पादुकापूजन के बाद शंकराचार्य ने कहा कि छत्तीसगढ़ की मिट्टी गौमाता की कृपा से समृद्ध है और इसका संरक्षण समाज का धर्म है।

गांव में आज भी गौरी-गौरा पर्व परंपरा के अनुसार धुमधाम से मनाया जाता है

हरिभूमि न्यूज ⏭कोलेगांव

विकासखंड पंडरिया के ग्रामीण क्षेत्र कोलेगांव भगतपुर मोहतरा कला कंझेटा सहित आसपास के गांव में छत्तीसगढ़ का परंपरा आज भी गांव में दीपावली के पावन पर्व पर गौरी-गौरा का उत्सव बड़ी धूमधाम से प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गांव में देखने को मिला।

गांव में गौरी-गौरा का परंपरा के अनुसार के अनुसार रीति रिवाज से विधि विधान से पूजा अर्चना किया गया और गांव में सुख शांति समृद्धि के लिए कामना किया गया पूरे गांव में भ्रमण किया गया जिसको एक झलक पाने के लिए गांव में उत्सव बना रहता है एवं गौरी-गौरा शिव पार्वती शंकर से अपने घर परिवार के सुख शांति के लिए कामना किया गया।

कृष्णा पुसाम बने छत्तीसगढ़ प्रदेश आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश सचिव

कई कुकदूर। अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस की अनुशंसा पर छत्तीसगढ़ प्रदेश आदिवासी कांग्रेस में ग्राम पुटपुटा निवासी कृष्णा पुसाम को प्रदेश सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति छत्तीसगढ़ प्रदेश आदिवासी कांग्रेस द्वारा तत्काल प्रभाव से जारी की गई है। नियुक्ति पत्र में कहा गया है कि पुसाम कांग्रेस पार्टी के सिद्धांतों और नीतियों पर चलते हुए संगठन को मजबूत बनाने तथा आदिवासी समाज के हितों के लिए निरंतर कार्य करेंगे। साथ ही संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी समय-समय पर प्रदेश मुख्यालय को देंगे। कृष्णा पुसाम वनांचल क्षेत्र से जनपद सदस्य रह चुके हैं और लंबे समय से सामाजिक एवं राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय हैं। उनकी नियुक्ति पर क्षेत्रवासियों, परिजनों और शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

खबर संक्षेप

बरबसपुर में दीपावली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया

बरबसपुर। यह पर्व सोमवार और मंगलवार को मनाया गया। लोगों ने मिट्टी के दिए से घर आंगन द्वार तुलसी चौरा धार्मिक स्थल सामाजिक स्थल हैंडपंप, तालाब तथा खेत खलिहान और मुक्तिधाम पर दीप जलाकर सुख समृद्धि शांति मनोकामना के लिए प्रार्थना की गई और लक्ष्मी-गणेश की पूजा की, फल फूल नारियल मिठाईयों का प्रसाद आदान-प्रदान किया और पटाखे फोड़े गए दीपावली का पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। इस वर्ष दीपावली पर्व भी दो दिन सोमवार व मंगलवार को मनाया गया ग्रामीण अंचलों में अधिकतर स्थानों पर सोमवार को दीपावली पर्व मनाया गया। कुछ स्थानों पर मंगलवार को भी दीपावली पर्व मनाया गया। इस अवसर पर लोगों ने लक्ष्मी-गणेश, कुबेर की पूजा अर्चना की गई लोगों ने मोबाइल के द्वारा एक दूसरे को दीपावली पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते रहे तथा मिठाई व गिफ्ट भेंट भी किए। बच्चों ने रात में जमकर आतिशबाजी के साथ पटाखे जलाए वह बड़ी धुमधाम से दीपावली पर्व मनाए।

आदिवासी नौनिहाल बच्चों तथा महिलाओं ने पारंपरिक छत्तीसगढ़ी सुआ नित्य की दी शानदार प्रस्तुति

हरिभूमि बरबसपुर। दीपावली के दिनों रचते हैं गौरा-गौरी का विवाह पूरी रसम निभाई जाती है आज भी आदिवासी गोड समाज में परंपरा कायम है जानकारी के अनुसार दीपावली का त्यौहार इस वर्ष दो दिनों तक ग्रामीण अंचलों में मनाई गई कई गांव में 20 अक्टूबर को और कई गांव में 21 अक्टूबर को दीपावली का त्यौहार मनाया गया और धूमधाम से बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक पटाखे जलाई गई और मां लक्ष्मी की पूजा पाठ कर दीप जलाकर शुभकामनाएं एवं सुख समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगी गई जानकारी के अनुसार दीपावली के दिन आदिवासी गोंड समाज में गौरा गौरी की विवाह की पुरी रसम की जाती है जो बाजा गाजा के साथ चुलमाटी निकली जाती है और मिट्टी लाकर घर में गौरी-गौरा की मूर्ति बनाकर रात भर गौरी-गौरा की विवाह रचकर पूरी रसम की गई गौरा-गौरी की बारात निकाली गई और पूजा पाठ विधि विधान से की गई जिसे आदिवासी गोड समाज द्वारा आज भी कायम परंपरा बनी हुई है और सुबह होते ही गौरी-गौरा की विशाल रैली गांव के चौक चौराहे गली और धार्मिक स्थलों में भ्रमण किया गया। तब गौरा-गौरी की विसर्जन किया गया इसे लेकर आदिवासी समाज में उत्सव एवं जुनून बना रहा जिसे गौरा गौरी का अंतिम विसर्जन कर सुख समृद्धि शांति की मनोकामना की आशीर्वाद मांगे और यह देखने को ग्राम दौजरी सिंघनपुरी सारंगपुर खुर्द घुकसा में देखने को मिला।

सुआ नृत्य ग्रामीण अंचल में आज भी जीवित है

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

सुआ नृत्य छत्तीसगढ़ का एक पारंपरिक लोक नृत्य है, जो मुख्य रूप से महिलाओं और बालिकाओं द्वारा समूह में किया जाता है। यह धान की कटाई के बाद नई फसल के आगमन का जश्न मनाने के लिए दीपावली के अवसर पर शुरू होता है और अगहन मास तक चलता है। इसमें महिलाएं मिट्टी का तोता सुआ बनाकर टोकरी में रखती हैं और पारंपरिक गीतों के साथ नृत्य करती हैं जो प्रेम वियोग और देवी-देवताओं की कथाओं को व्यक्त करता है। पारम्परिक रूप से सुवा नृत्य करने वाली नारियां हरी साड़ी पहनती हैं जो पिंडलियों तक आती है, आभूषणों में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक आभूषण करधन, कड़ा, पुतरी होते हैं। सुआ गीत में तोता महिलाओं द्वारा अपनी आंतरिक भावनाओं और संदेशों को अपने प्रियजनों तक पहुंचाने के लिए एक प्रतीक है, महिलाएं तोते के माध्यम से अपने मन की व्यथा और बातों को व्यक्त करती हैं, इस विश्वास के साथ कि तोता उनके संदेश को उनके प्रियजनों तक पहुंचाने का काम करती है इसमें बांस की टोकरी में रखे धान के ऊपर मिट्टी के तोते सुआ की प्रतिमा रखी जाती है। महिलाएं इस टोकरी के चारों ओर एक घेरा बनाकर पारंपरिक नृत्य करती हैं। गायन में ताली की धुन का प्रयोग होता है, जिसमें अक्सर कोई वाद्य यंत्र नहीं होता। यह गीत लोक कथाओं और ग्रामीण जीवन से गहराई से जुड़ा हुआ है, जिसमें महिलाएं अपनी भावनाओं को सहजता से व्यक्त करती हैं।

तितरी में दिली दिवाली मिलन एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गूंजा गांव

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

रेंगाखार कला वनांचल 21 अक्टूबर को ग्राम पं. तितरी में मंगलवार को सत्यमेव जयते जनकल्याण समिति कवर्धा के बैनर तले दिली दिवाली मिलन एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रूप से पंचायत सरपंच श्रीमती बीरोबाई अंतराम मेरावी के हाथों दीप प्रज्वलन से किया गया। व्यवस्थापना का दायित्व समिति के अध्यक्ष देवसिंह धुर्वे एवं उनकी टीम ने संभाला। जबकि मंच संचालन का कार्य लालसिंह मरकाम और प्रदीप परते मीडिया प्रभारी ने किया। दीपावली को और खास बनाने के लिए दिनभर कई मनोरंजक खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें बालक वर्ग 100 मीटर दौड़ में प्रथम रंजीत कुमार कुशरे एवं द्वितीय विश्वराज मेरावी, बालिका वर्ग 100 मीटर दौड़ में प्रथम अनुराधा मरकाम तथा द्वितीय रेशमा परते, बालक वर्ग 200 मीटर दौड़ में प्रथम कमलेश धुर्वे एवं द्वितीय गजानंद साहू, विवाहित महिलाओं के लिए कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम रमिला बाई व द्वितीय ममता बाई धुर्वे, रिकॉर्डिंग डांस प्रतिस्पर्धा में प्रथम मनीषा कुशरे तथा द्वितीय तनीषा कुशरे एवं भागेश्वरी मरकाम रहे। सभी प्रतियोगिता के प्रथम विजेता को पटवारी श्रीमान हरलाल ध्रुव के द्वारा 251 रूपए एवं द्वितीय विजेता को समिति के द्वारा 151 रुपए नगद राशि से पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा सभी प्रतियोगिता में पंचायत परिवार द्वारा 100 रूपए अजय तुरकर द्वारा 50 रूपए हिगलेंश पटले द्वारा 50 रूपए और सुनील पटले द्वारा 50 रूपए तथा प्रबंधन समिति के द्वारा 50 -50 रुपए की निश्चित पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। सभी प्रतिभागी हर्षोलासित थे। समिति के इस पहल से पंचायत में दिन-भर खुशियों का माहौल बनी रही। पंचायत वासियों ने समिति के इस पहल की खूब सराहना की। गांव की महिलाओं के लिए पारंपरिक नृत्य सुआ व कर्मा नृत्य का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर उप सरपंच श्रीमती पुष्पा सुरेंद्र धुर्वे, पं. सचिव श्रीउपदेश मेरावी, प्रधानपाठिका श्रीमती मीरा पटले, प्रधानपाठक लक्ष्मण सिंह धुर्वे, सुंदर सिंह मेरावी, फारेस्ट गार्ड सुश्री बिम्लेश्वरी मरकाम, बीएलओ श्रीमती हेमेश्वरी क्षीरसागर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुश्री बिंदु मेरावी, श्रीमती कली मेरावी समिति सदस्य सुनील मेरावी, पुष्पेंद्र धुर्वे, संतोष कुशरे, हनुक मरकाम, गणमान्य नागरिक सुनील पटले, अजय तुरकर, हिंगलेश पटले, शंकर पटले सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं बच्चे उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

धूमधाम से मना दीवाली का पर्व देर रात तक आतिशबाजी

डोंगरगढ़। धर्म नगरी में मां लक्ष्मी का त्यौहार दीप उत्सव दीपावली महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। वनांचल सहित शहर के हर वर्ग के लोग विधिवत अपने कुल देवी देवताओं सहित माता लक्ष्मी भगवान गणेश और धन के स्वामी कुबेर की पूजा अर्चना किया। इसके पश्चात जमकर आतिशबाजी कर एक दूसरे को मिठाई बाट कर बधाई दी। शाम 6 बजे से गोधुली बेला से देर रात 12 बजे तक माता लक्ष्मी जी की पूजा की गई। वार्डो सहित ग्रामीण आंचलों का पारंपरिक त्योहार गौरागौरी पूजा देर रात 12 बजे से शुरू हुआ। दूसरे दिन प्रातः काल 11 से क्षेत्र के गौरागौरी का विसर्जन का सिलसिला शुरू हुआ जो शाम 4 बजे तक चला। दीपावली के 2 दिन बाद यदूवंशी यादव समाज के तत्वावधान में गोवर्धन पूजा हुई। स्थानीय ठेठवारपारा बस स्टेण्ड में बरसों से चली आ रही परंपरा के अनुसार पशुधन की पूजा की गई। साथ ही साढादेव की पूजा कर पशुधन को सोहाई भी बांधी गई। लोगों ने गोबर के बने गोवर्धन भगवना कृष्ण की पूजा अर्चना भी की। डोंगरगढ़ क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने 5 दिनों तक चलने वाले इस दीप उत्सव के सबसे बडे त्योहार में अपनी सहभागीता निभाते हुए लोगों से मिल कर दिवाली की शुभकामनाएं दी।

निगम के स्वास्थ्य अमला ने सफाई में दिखाई तत्परता

राजनांदगांव। दीपावली त्योहार के लिए लोग उत्साह से खरीदारी करते हैं। जिसके कारण बाजार सहित शहर के प्रमुख मार्ग के अलावा सभी क्षेत्रों में अत्याधिक भीड़ हो जाती है। साथ ही बड़े-छोटे दुकानों के अलावा ठेला, खोमचा, पसरा, लगाकर बाजार क्षेत्र एवं चौक-चौराहों में सामग्री विक्रय करने वालों के कारण भी अत्याधिक मात्रा में कचरा एकत्रित हो जाता है। उक्त कचरे की सफाई के लिए नगर निगम का स्वास्थ्य अमला ने तत्परता दिखाई और दीपावली के दूसरे दिन सुबह से शहर में चौक-चौराहों, मुख्य मार्गों व सड़कों मे फैले त्योहारी कचरे की सफाई किए। नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा स्वयं निरीक्षण कर स्वास्थ्य कर्मियों का हौसला बढ़ाया।

किसानों के हित में खुलेंगे नवीन सोसाइटी केंद्र

खैरागढ़। प्रदेश सरकार ने किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए खैरागढ़-छुईखदान-गंडई क्षेत्र में 26 नवीन सोसाइटी केंद्र खोलने की प्रशासनिक अनुमति प्रदान की है। यह निर्णय क्षेत्र के हजारों किसानों के लिए एक बड़ी राहत लेकर आया है, जिससे उन्हें अब कृषि संबंधी कार्यों के लिए दूर-दराज नहीं जाना पड़ेगा। इन सोसाइटी केंद्रों की स्थापना जिन ग्रामों में की जाएगी, उनमें मानपुर नाका, ढाबा, सम्बलपुर, भूर्भुसी, पथर्रा, कोर्राय, भुलाटोला, गातापार जंगल, चिचोला, बरबसपुर, कुकुरमुड़ा, साल्हेकला, सहसपुर, जामगांव, ठाकुरटोला, दामरी, भरतपुर, धनगांव, बघमर्रा, दिलीपपुर, कुम्ही, पांडुका, मदराकुही, देवारीभाठ, महरूमकला और भोथली (पाटा) शामिल हैं।

पर्व

देर रात तक पटाखों गूंज शहर में हुई, दीपकों के घरों को सजाया, तोरण और वंदनवार सजाकर

दीपावली पर दो दिन हुई माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना एवं मांगा समृद्धि का वरदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बेमेतरा

जिले में दीपावली का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया। लोगों ने घरों और दुकानों पर आकर्षक विद्युत साज-सज्जा की। हालांकि शुभ मुहूर्त को लेकर असमंजस की स्थिति देखी गयी। कही कही सोमवार को तो कहीं गुरुवार को लक्ष्मी जी की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की गई । उत्सव में बच्चों और बड़ों ने जमकर पटाखे चलाए, शहर में देर तक पटाखे फोड़ने का सिलसिला चलता रहा।

> ■ मेन बाजार, सराफा बाजार में भारी भीड़ रही, करोड़ों का कारोबार हुआ

दिपावली पर लोगों ने शुभ मुहूर्त में विधि-विधान से दीप जलाकर लक्ष्मी जी की पूजा-अर्चना की। इसके लिए लोगों ने पहले से तैयारी कर ली गई थी। घर के मुख्य दरवाजे तोरण, झालर और दीपों से सजाए गए थे। घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में शुभ मुहूर्त में लक्ष्मी पूजन की। इसी तरह

दीपावली पर सभी मकानों, प्रतिष्ठानों और दुकानों में रंग-बिरंगी लाइट और झालरें चमक रही थीं।बाजार में लोगों ने खूब खरीदारी की। त्योहार पर महंगाई का असर देखने को मिला, जरूरतों वाली चीजों का लोगों ने जमकर खरीदारी की। बाजारों में पर्व को लेकर भारी भीड़ रही। ज्यादा भीड़ होने के कारण जाम की स्थिति बनी रही। हालांकि पुलिस भी पर्व को लेकर सतर्क नजर आई। पर्व को लेकर मेन बाजार, सराफा बाजार आदि में भारी भीड़ देखने को मिली। इसके साथ-साथ लोगों में उत्साह सा दिखाई दिया।

देर रात तक हुई आतिशबाजी: दिवाली की खुशियां मनाने के लिए लोगों ने पटाखे फोड़े। बच्चो ने जहां दिनभर पटाखे चलाते रहे तो बही शाम होते ही जगह-जगह पटाखों की आवाजें गूंजने लगीं। बच्चों ने फुलझड़ियां, तारे और पेंसिल जलाए, वहीं बड़ों ने देर रात तक तेज आवाज वाले पटाखे फोड़े।

गौरा गौरी की बाजे-गाजे से निकली बारात, परंपरागत ढंग से किया विसर्जन

जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में गौरा गौरी की धूम रही ओर गौरा गौरी की विधिवत पूजा अर्चना किया गया। वही गड़वा बाजा की धुन पर बारात निकाली गई जहां युवाओं की टोली जमकर थिरकते नजर आए। इस दौरान स्वस्थ एवं दीर्घायु की कामना व मनोकामना पूर्ण करने सोंटा हाथों खाए ।हालांकि शहर सहित अंचल में पर्व को लेकर असमंज की स्थिति के चलते कही सोमवार गौरा गौरी की स्थापना की गई तो कई स्थानों मंगलवार को किया गया। अल सुबह महिलाएं व पुरुषों की मौजूदगी में परंपरागत तौर पर विसर्जन की परंपरा निभाई गई। इस दरमियान दीपावली के एक दिन पहले ही जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में गौरा चौरा में भगवान गौरी-गौरा की स्थापना के लिए फूल कूटने की परंपरा कर शुरुआत की गई। जिसके पश्चात लक्ष्मी पूजन के दिन भगवान गौरी-गौरा की पूजा अर्चना कर रात्रि में बाजे-गाजे के साथ भगवान शिव की बारात निकाली जाएगी।

दूसरे दिन तालाब में विधिवत पूजा कर विसर्जन किया गया। इसमें सबसे प्रमुख बात यह होती है कि इस पूरे परम्परा में मिट्टी लाने से लेकर विसर्जन तक का काम पुरुष करते हैं और भगवान की सेवाएं महिलाएं करती हैं। गौरा-गौरी पूजा के दौरान परंपरा अनुसार गोवर्धन पूजा और गौरा-गौरी पूजा के अवसर पर अपने हाथों पर सोटा खाने की मान्यता पूरी की गई ।ऐसी मान्यता है कि सोंटा से मार खाने के बाद सभी तरह के दुख और परेशानियां दूर हो जाती है।

गोबर से गिरिराज बनाकर की पूजा एवं गाय को खिलाई गयी खिचड़ी: जिले में गोवर्धन पूजा बुधवार पूरे अंचल में मनाया गया इस दौरान ग्रामीणों व यादव समाज के लोगों ने गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाकर पूजा अर्चना कर गांव की सुख शांति एवं समृद्धि की कामना करते हुए अपने-अपने घरों में गाय को खिचड़ी खिलाया गया। बता दें कि भगवान कृष्ण से जुड़ी कथा प्रचलित है कि भगवान कृष्ण ने वृंदावन के लोगों से कहा था कि वो भगवान इंद्र का पूजन करने की जगह गोवर्धन पर्वत का पूजन करें।ये बात जब इंद्र के दरबार तक पहुंची तो वो गुस्से से आग बबूला हो गए और वृंदावन पर बारिश की शुरुआत कर दी जो धीरे धीरे भयानक होती चली गई तब भगवान कृष्ण ने अपने गांव के लोगों को बचाने के लिए पूरा गोवर्धन पर्वत अपनी छोटी उंगली पर उठा लिया। उसी पर्वत के नीचे गांव के सारे लोग और पशुओं ने शरण ली थी।तब से उसकी आज तक अपने रक्षक समझकर पूजा करते आ रहे है।

भाई दूज पर बहन के घर पहुंची भाई

जिला मुख्यालय सहित अंचल में हर्ष उल्लास के साथ भैया दूज के त्यौहार मनाया गया कई भाई जहां अपनी बहन के घर पहुंचे वही कई बहन अपने भाई के घर पहुंचकर भाई की पूजा कर आशीर्वाद दिया ओर भाई दूज पर्व पर बहनों के घर पहुंचे भाइयों ने बहनों से आशीर्वाद लिया । यह पर्व भाई-बहनों के प्रेम का प्रतीक भाई दूज पर्व उत्साह से पूरे जिले में मनाया गया कार्तिक शुक्ल पक्ष दूज पर भाई दूज के दिन बहनों के घर भाई पहुंचे जहां पर बहनों ने कुमकुम अक्षत और फूल से तिलक किया गया और आरती उतारकर उनके दीर्घायु कामना की गई । इस अवसर पर बहनों को भाइयों ने विभिन्न प्रकार के उपहार भी दिए ।

गौरा- गौरी पर्व में सोटा प्रहार की परंपरा ने किया आकर्षित

थान खमरिया। नगर व आसपास के ग्रामीण अंचल में पारंपरिक उल्लास के साथ गौरी गौरा पर्व मनाया गया। नगर में गोरा गोरी की पूजा पर गौरा गौरी की बारात निकाली गई। इस बारात में पुरुष वर्ग के लोग शामिल हुए। इसके अलावा बड़ी संख्या में महिलाएं भी इस यात्रा में शामिल हुई। महिलाएं पारंपरिक परिधान सजे, सर पर पूजा की थाली और हाथों में कलश लेकर लोकगीत गाती नजर आई। महिलाएं लोकगीत के साथ-साथ लोक नृत्य भी कर रही थी, इसे पूरा वातावरण उत्सव भरा हो गया। और इस अवसर पर सोटा प्रहार की अनोखी परंपरा निभाई। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि चंदन अग्रवाल ने भी परंपरा अनुसार सोटा प्रहार करवाया। दीपावली की रात जहां गौरा गौरी की प्रतिमा बैठाई गई। अगले दिन पूजा अर्चना के बाद नगर भ्रमण और पारंपरिक बारात निकाली गई। इस दौरान महिलाएं नए वेशभूषा में नृत्य करते हुए, नजर आई गौरा गौरी पर्व के साथ जुड़ी सोटा प्रहार के परंपरा ने लोगों का खास ध्यान खींचा। समाज के लोग इस परंपरा के तहत सोटा *(चाबुक)* से प्रहार करते हुए, जो शक्ति साहस और सामाजिक एकता का प्रतीक माना जाता है।

गोवर्धन पूजा की फिर बांधी गाय को सोहई

बेरला। दिवाली के दूसरे दिन बुधवार गोवर्धन पूजा मनाया गया। पूजा के बाद बाजे-गाजे के साथ गाय को सोहई पहनाया गया। सोहाई एक प्रकार का कंठहार होता है जो अहीर समाज के व्यक्तियों के द्वारा पशुओं के गले में पहनाया जाता है। अहीर समुदाय बाजे गाजे के संग सोहाई बांधने पशु मालिकों के घर गए और पशु मालिक उनको भेंट स्वरुप राशि, कपड़े या धान भी दिए। अंचल में में गोवर्धन पर्व पर बुधवार को पशुधन का पूजन किया गया और खिचड़ी खिलाई गई। गांव में हर घर गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाया गया, फिर सपरिवार विधि-विधान से गोवर्धन पूजा की गई। तत्पश्चात गाय को खिचड़ी खिलाई गई।

सोहाई बांधने पर भेंट स्वरुप देते हैं कपड़े या धान: गांवों में अहीर समुदाय बाजे गाजे के संग सोहाई बांधने पशु मालिकों के घर जाते हैं और पशु मालिक उनको भेंट स्वरुप राशि, कपड़े या धान देते हैं। सोहाई बांधते समय अहीर समुदाय दफड़ा, निसान और मोहरी के संग दोहा वाचन करते हैं। जो सामान्यतः किसी संत कवि द्वारा रचित दोहे, पारंपरिक दोहे या स्वरचित दोहे भी होते हैं।

धूमधाम में चीजगांव में मनाई गई गोवर्धन पूजा

थानखम्हरिया। ग्राम चीजगांव में हर्षोल्लास के साथ गोवर्धन पूजा मनाई गई। गोवर्धन पूजा के दौरान हजारों की संख्या में आमजन शामिल हुए। दीपोत्सव त्यौहार पर दूरदराज से व्यक्ति शामिल होते हैं। धनतेरस पर्व पर और दीपोत्सव त्यौहार के अवसर पर ग्राम में मां लक्ष्मी प्रतिमा भी स्थापित की गई है। गोवर्धन पूजा पर यादव समाज द्वारा राऊत नाचते हुए ग्राम को उमंग से भर देता है। राऊत नाचा गाजे-बाजे के साथ निकाली गई। पांच दिवसीय दीपोत्सव त्यौहार में गांव में अलग सा माहौल तैयार हो जाता है। समयानुसार गोवर्धन पूजा मनाई गई। जय मां लक्ष्मी नवयुवक समिति के पदाधिकारियों ने जानकारी दी है कि भाईदूज के अवसर पर मां लक्ष्मी प्रतिमा का विसर्जन कार्यक्रम रखा गया है। विसर्जन कार्यक्रम जय मां लक्ष्मी धुमाल ग्रुप दुर्ग के माध्यम से स्कूल चौक तालाब में किया जाएगा। समिति के पदाधिकारी विसर्जन कार्यक्रम की तैयारी में जुट गए हैं।

दीपावली पर विद्युत व्यवस्था रही ठप, पटरीपार क्षेत्र में ब्लैक आउट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

दीपावली के अवसर पर शहर के कई क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट और बिजली व्यवस्था ठप हो गई। दीपावली से पूर्व चाक-चौबंद विद्युत व्यवस्था के लिए विद्युत विभाग द्वारा मेंटेनेंस का कार्य करते हुए 4 से 6 घंटे लाइट बंद रखी गई, लेकिन दीपावली के मौके पर ही लक्ष्मी पूजा की रात शहर के पटरीपार क्षेत्र में लगभग आधे घंटे तक लाईट बंद रही।

कार्तिक अमावस्या को दीपावली का पर्व मनाया जाता है। इस दिन अंधकार को मिटाने के लिए दीयों की रोशनी की जाती है। वहीं दीपावली पर्व के अवसर पर लोग अपने घरों को रोशन करने आकर्षक लाइटों से सुसज्जित करते हैं। दीपावली अवसर पर शहर के शांतिनगर, स्टेशनपारा, रामनगर, मोतीपुर सहित अन्य क्षेत्रों के लोग भी अपने घरों में रोशनी किए हुए थे, लेकिन इस दौरान बिजली व्यवस्था ठप हो गई और लगभग आधे घंटे तक विद्युत आपूर्ति बंद रही। जिससे क्षेत्र अंधेरे में डूबा रहा। वहीं लोगों में बिजली विभाग के खिलाफ नाराजगी भी दिखाई दी।

दीपावली पर पंडालों में स्थापित हुई मां लक्ष्मी की प्रतिमा

राजनांदगांव। दीपावली पर्व के अवसर पर मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना के लिए शहर के विभिन्न जगहों पर पूजा पंडाल सजाया गया। यहां श्रद्धालु ने विधि-विधान के साथ मां लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित की। इस दौरान श्रद्धालुओं ने सामुहिक पूजा-अर्चना कर अपने घर-परिवार में खुशहाली और समृद्धि की कामना की। दीपावली अवसर पर घरों और प्रतिष्ठानों में मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। वहीं बीते कुछ वर्षों से शहर के विभिन्न जगहों पर पूजा पंडाल लगाकर मां लक्ष्मी तिरुपति में स्थापित करके पूजा-अर्चना भी की जाती है। यहां मोहल्ले के श्रद्धालुओं द्वारा सामुहिक रूप से पहुंचकर माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जाती है। इस वर्ष भी शहर के कई क्षेत्रों में मां लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित की गई।

धूमधाम से स्थापित हुई प्रतिमा

दीपावली के अवसर पर माता लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापना करने का दौर कुछ वर्षों से बढ़ने लगा है। पहले शहर के एक-दो जगह पर ही माता लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित की जाती थी। वहीं अब शहर के कई वार्डों में दीपावली पर्व के दौरान मां लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की जाती है। प्रतिमा विराजितः शहर के अलग-अलग वार्डों में श्रद्धालुओं द्वारा मां लक्ष्मी की मनमोहन प्रतिमाएं स्थापित की गई। कुछ पूजा पंडालों में मां लक्ष्मी कमल के फूल पर विराजित नजर आई। शहर में लगभग चार दिनों के लिए लक्ष्मी पूजन से एक दिन पूर्व स्थापित गई गई।

त्योहारी जुए पर रही पुलिस की नजर, गांव इलाकों में हुई कार्रवाई

तीन जगह जुआ फड़ पर कार्रवाई, डेढ़ दर्जन पकड़ाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

पर्व के दौरान अवैध रूप से जुआ खेलने को लेकर पुलिस ने भी अपनी चौकसी बढ़ा दी थी। जिलेभर में पुलिस की टीम त्योहारी जुए को लेकर कार्रवाई के लिए अलर्ट रही। जिसका असर रहा कि जिले में तीन थाना क्षेत्र में जुआ फड़ पर कार्रवाई कर लगभग डेढ़ दर्जन जुआरियों को पकड़ा गया। हालांकि शहर से लेकर गांव-गांव तक त्योहार के अवसर पर सैकड़ों फड़ जमी थी।

मिली जानकारी के अनुसार जिले में जुए मामले में छुरिया, गैंदाटोला एवं सुकुलदैहान पुलिस चौकी द्वारा अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर आरोपियों की धरपकड़ की गई। पुलिस के अनुसार छुरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत 21 अक्टूबर को मुखबिर की सूचना पर छुरिया थाना स्टाफ द्वारा ग्राम हाटबाजार के पास रोड किनारे इमली पेड़ के नीचे अवैध रूप से 52 पत्ती ताश में रुपए पैसे का दांव लगाकर जुआ खेलने वालों के कब्जे से 52 पत्ती ताश एवं 1620 रुपए एवं पीले रंग की प्लास्टिक बोरी जब्त कर आरोपी रवि राजपूत 30 वर्ष, स्वरूप सिंह उम्र 36 वर्ष, प्रेमलाल उम्र 52 वर्ष, हेमंत साहू उम्र 32 को विधिवत गिरफ्तारी किया जाकर अपराध पंजीबद्ध किया गया। मामला जमानतीय जुर्म का होने से आरोपीगण

गैंदाटोला में भी कार्रवाई

गैंदाटोला थाना क्षेत्र अंतर्गत जुआ के मामले में पुलिस ने दो स्थानों पर रेड कार्रवाई की। जिसमें दस जुआ खेलते पकड़े। पुलिस ने आरोपी टकेश्वटर निषाद उम्र 33 साल, घासीराम सिन्हा उम्र 34 साल, डोमार साहू उम्र 45 साल, दुर्गेश निषाद उम्र 28 साल, मंथीर सलामे उम्र 24 साल , ग्राम दैहान पर कार्रवाई की गई एवं दूसरे प्रकरण में पुनेश्वणर साहू उम्र 28 साल, गिरवर नेताम उम्र 22 साल ,भग्गु लाल साहू उम्र 40 साल, यशवंत कुमार उम्र 45 साल, टोमन साहू उम्र 27 साल ग्राम मुंजालपाथरी पर कार्रवाई की गई।

सुकुलदैहान में 9 पकड़ाए

इधर 21 अक्टूबर को सुकुलदैहान पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत पुलिस स्टाफ ने ग्राम लिटिया एवं खपरीकला में अवैध रूप से 52 पत्ती ताश में रुपए-पैसे का दांव लगाकर जुआ खेलने वालों के कब्जे से 52-52 पत्ती ताश एवं नगदी रकम क्रमशः 2570 रुपए एवं 4230 रुपए कुल 6800 रुपए जब्त कर ग्राम लिटिया घटना स्थल गांधी चौक में आरोपी गजेंद्र वर्मा उम्र 24 साल, कोमलाल वर्मा उम्र 20, मिथलेश पटेल उम्र 23 साल, सुदामा मंडावी उम्र 23 साल, लालचंद वर्मा उम्र 27 साल एवं ग्राम खपरीकला घटनास्थल धरसा रोड में आरोपी शीतल चन्द्रवंशी उम्र 20 साल, जागेश्वर सिन्हा उम्र 35 साल, नीलेश कवर उम्र 26 साल, विजय कवर उम्र 27 साल को विधिवत गिरफ्तारी किया जाकर अपराध पंजीबद्ध किया गया।